Date :

HISTORY(H)

B.A. - II

UNIT-II (Saltanate)

इक्ता (इक्ता प्रणाली)

⇒ इक्ता प्रणाली के कार्य :-

इक्तेदार अपनी इक्ता में प्रशासनिक व सैनिक के दोनों प्रकार के कार्य करते थे। इक्तेदार अपने राजस्व से प्राप्त कर को वेतन व प्रशासनिक व सैनिक खर्च पर करता था। जो रकम की बचत होती थी इसे सरकार के खजाने में जमा करता था। वह शेष रकम के फाजिल कहा जाता था।

इक्तेदार का पद हस्तांतरित रहता था। समय - समय

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

पर सुल्तान इक्तेदार पर अधिकार का भी दातयत्व दिखाई देता है। इस प्रकार राजपूत कालीन सामंती पद्धति में सुल्तान का अपने इक्तेदार पर अधिक नियंत्रण होता था।

फिरोजशाह तुगलक के काल में इसे वंशानुगत कर दिया गया था।

⇒ इक्तेदारी व्यवस्था के दोष :-

इक्तेदार खर्च - आय के आय का हेरा - फेरी करके भ्रष्टाचार किया करते थे। इसे रोकने के लिए तथा इक्तेदार पर अंकुश स्थापित करने के लिए अलग - अलग सुल्तानों ने अपने - अपने तरीके से नियम बनाये।

Scanned with CamScanner

→ बलबन ने ख्वाजा नामक अधिकारी नियुक्त किया जो इक्ता भूमि की आय का आकलन किया करता था।

- अलाउद्दीन ने इक्तेदारों के हस्तांतरण पर बल दिया तथा 3 वर्ष से अधिक किसी इक्तेदार को एकइक्ते को नहीं रखा।

- ग्यासुद्दीन तुगलक ने इक्तेदार की व्यक्तिगत आय तथा उसके अधीन सैनिकों के वेतन अलग-अलग रूप में निर्धारित कराया। जिसे वसालत-ए-दशम का नाम दिया।

→ मुहम्मद बिन तुगलक

ने इक्तेदारों पर अत्यधिक नियंत्रण लगाया। उसने इक्तेदारों के समकक्ष इक्ता क्षेत्र में आमील नामक अधिकारी को नियुक्त किया।

→ मुहम्मद-बिन-तुगलक ने इक्तेदारों के अधीन सैनिकों को केन्द्रीय खजानों से नकद वेतन देने की घोषणा की।

इस प्रकार अत्यधिक नियंत्रण के कारण ही मुहम्मद-बिन तुगलक को उनका विद्रोह का सामना किया।

इस प्रकार हम देखते है कि इक्ता प्रणाली प्राचीन

Date :

शासन व्यवस्था को चलाने की एक प्रशासनिक इकाई थी और सल्तनत कालीन शासकों ने अपना कर बड़े भूभाग पर अपना शासन स्थापित रखा।

DR. UDAY KUMAR
DR. L.K.V.D. College Tajpur

Scanned with CamScanner